मंगलाताई भागवत फाऊंडेशन

समय – 3 घंटे **(हिंदी) लोकभारती** **कुल अंक – 80**

सूचनाएँ – 1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन व्याकरण की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए ।

3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

4) शुध्द, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन आवश्यक है ।

विभाग – 1 – गद्य (20 अंक)

प्र. 1 अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (8)

हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते । हमारे शहर में एक कवि हैं, श्री लपकानंद । उनकी बेतुकी कविताओं से सारा शहर परेशान हैं । मैं अकसर उन्हें दूर से देखते ही भाग खड़ा होता हूँ । जानता हूँ जब भी मिलेंगे दस–बीस कविताएँ पिलाए बिना नहीं छोड़ेंगे । एक दिन बगल में झोला दबाए आ पहुँचे । आते ही कहने लगे – "मैं तो पिछले चार–पाँच दिनों से कवि सम्मेलनों में अति व्यस्त था। सच कहता हूँ कसम से, मैं आपके बारे में ही सोचता रहा । रातभर मुझे नींद आई और हाँ, रात को इसी संदर्भ में यह कविता बनाई....।" यह कह झोले में से डायरी निकाली और लगे सुनाने –

"असम की राजधानी है शिलाँग
मेरे दोस्त की टूट गई हैं टाँग
मोटरवाले, तेरी ही साइड थी राँग ।"

कविता सुनाकर वे मुझे ऐसे देख रहे थे, मानो उनकी एक आँख पूछ रही हो – 'कहो, कविता कैसी रही?' और दूसरी आँख पूछ रही हो – 'बोल, बेटा! अब भी मुझसे भागेगा?' मैंने जल्दी से चाय पिलाई और फिर कविताएँ सुनने का वादा कर बड़ी मुश्किल से विदा किया।

अब मैं रोज ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि हे ईश्वर! अगर तुझे मेरी दूसरी टाँग भी तोड़नी हो तो जरूर तोड़ मगर कृपा कर उस जगह तोड़ना जहाँ मेरा कोई भी परिचित न हो, क्योंकि बड़े बेदर्द होते हैं ये हमदर्दी जताने वाले।

1) आकृति पूर्ण कीजिए । **(2)**

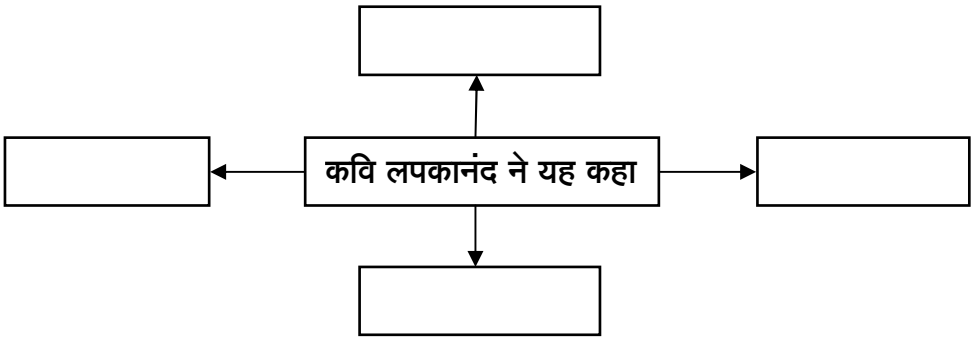

2) आकृति पूर्ण कीजिए । **(1)**

1)

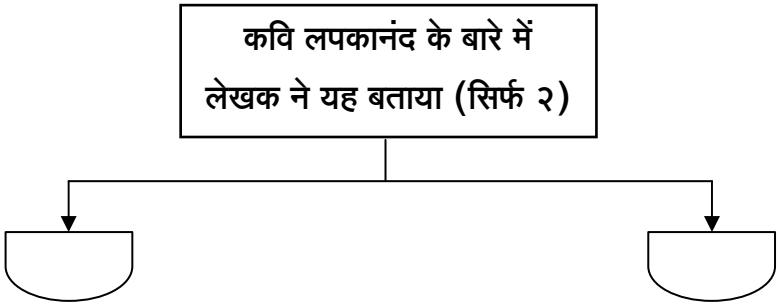

2) कवि से छुटकारा पाने के लिए लेखक ने यह किया **(1)**

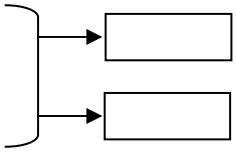

3) शब्द बनाइए ।

	मूल शब्द	उपसर्गयुक्त शब्द	प्रत्ययुक्त शब्द
1.	दर्द	---	---
2.	निश्चित	---	---

4) 'मनुष्य आदत से मजबूर होता है' इस बारे में अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए । **(1)**

प्र. 1 आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(8)**

नागर जी : लिखने से पहले तो मैंने पढ़ना शुरू किया था । आरंभ में कवियों को ही अधिक पढ़ता था । सनेही जी, अयोध्यासिंह उपाध्याय की कविताएँ ज्यादा पढ़ीं । छापे का अक्षर मेरा पहला मित्र था । घर में दो पत्रिकाएँ

नागर जी : मँगाते थे मेरे पितामह । एक 'सरस्वती' और दूसरी 'गृहलक्ष्मी' । उस समय हमारे सामने प्रेमचंद का साहित्य था, कौशिक का था । आरंभ में बंकिम के उपन्यास पढ़े । शरतचंद्र को बाद में । प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का कहानी संग्रह 'देशी और विलायती' १९३० के आसपास पढ़ा । उपन्यासों में बंकिम के उपन्यास १९३० में ही पढ़ डाले। 'आनंदमठ', 'देवी चौधरानी' और एक राजस्थानी थीम पर लिखा हुआ उपन्यास, उसी समय पढ़ा था।

तिवारी जी : क्या यही लेखक आपके लेखन के आदर्श रहे?

नागर जी : नहीं, कोई आदर्श नहीं। केवल आनंद था पढ़ने का। सबसे पहले कविता फूटी साइमन कमीशन के बहिष्कार के समय १९२८-१९२९ में। लाठीचार्ज हुआ था। इस अनुभव से ही पहली कविता फूटी – 'कब लौं कहौं लाठी खाय।' इसे ही लेखन का आरंभ मानिए।

तिवारी जी : इस घटना के बाद आप राजनीति की ओर क्यों नहीं गए?

नागर जी : नहीं गया क्योंकि पिता जी सरकारी कर्मचारी थे। १९२९ के बाद मेरी रुचि बढ़ी– पढ़ने में भी और सामाजिक कार्यो में भी। लेकिन मेरी पहली कहानी छपी १९३३ में 'अपशकुन'। तुम्हारे गोरखपुर मे मन्नन द्विवेदी लिख रहे थे उन दिनों । चंडीप्रसाद हृदयेश थे जिनकी लेखन शैली ने मुझे बहुत प्रभावित किया।

ii) **गद्यांश में इन दो व्यक्तियों का उल्लेख हुआ है ।** **(1)**

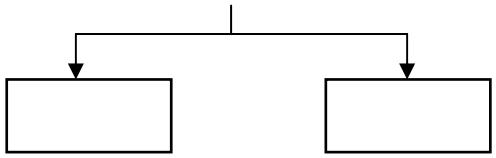

2) '**वन ही सच्चा धन**' इस विषयपर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए । **(2)**

विभाग – 2 – पद्य (12 अंक)

प्र.2 अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (6)

विश्व का पालक बन जो, अमर उसको कर रहा है,
किंतु अपने पालितों के, पद दलित हो मर रहा है,
आज उससे कर मिला, नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।
क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो,
ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो,
छोड़ सारे सुर–असुर, मैं आज उसका ध्यान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।
यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे
ओ रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण–कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।

1) वाक्य पूर्ण कीजिए । (1)

i) 1) कृषक कमजोर शरीर को .....।
2) कृषक बंजर जमीन को .....।

ii) **संजाल पूर्ण कीजिए । (1)**

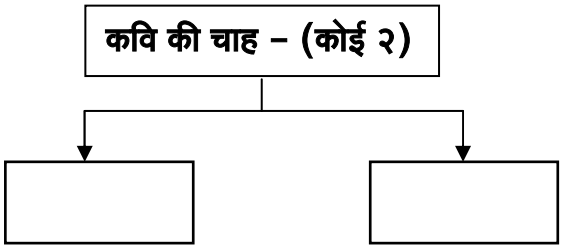

2) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए पर्यायवाची शब्द लिखिए । (2)

i) किसान ii) मानवता iii) घोंसला iv) कुदरत

3) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए । (2)

प्र. 2 आ) 1) संजाल पूर्ण कीजिए । (2)

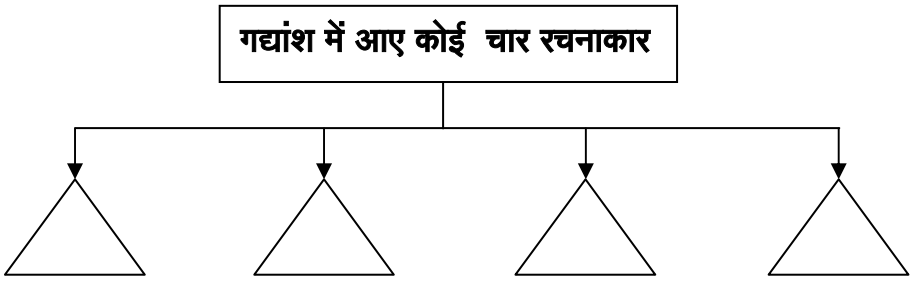

2) आकृति पूर्ण कीजिए । (2)

i) नागर जी के सामने इनका साहित्य था – ☐

ii) नागर जी ने शुरू में इन्हें पढ़ा – ☐

iii) नागर जी का पहला मित्र यह था – ☐

iv) नागर जी की पहली कविता का शीर्षक यह था – ☐

3) उचित उपसर्ग जोड़कर सार्थक शब्द बनाइए । (2)

i) ....शासन ii) ....वन iii) ....जीवन iv) ....मान

4) 'पढ़ना –लिखना प्रगति का लक्षण' इस विषय के बारे में अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए । (2)

प्र. 2 इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (2)

राजकुमार का घोड़ा बेदम हो गया था। संन्यासी ने मृग के मृत शरीर को कंधे पर ऐसे उठा लिया मानो घास का गट्ठर हो। राजकुमार संन्यासी के पीछे चला। उसे संन्यासी के शारीरिक बल पर अचंभा हो रहा था। आधे घंटे तक दोनों चुपचाप चलते रहे। इसके बाद ढालू भूमि मिलनी शुरू हुई। वहीं कदंब–कुंज की घनी छाया में, जहाँ सर्वदा मृगरें की सभा सुशोभित रहती, नदी की तरंगो का मधुर स्वर सर्वदा सुनाई दिया करता, जहाँ हरियाली पर मयूर थिरकता, कपोतादि पक्षी मस्त होकर झूमते, लता–द्रुमादी से सुशोभित संन्यासी की एक छोटी–सी कुटी थी। वह कुटी हरे–भरे वृक्षों के नीचे सरलता और संतोष का चित्र बना रही थी। राजकुमार की अवस्था वहाँ पहुँचते ही बदल गई। यहाँ की शीतल वायु का प्रभाव उस पर ऐसा पड़ा जैसा मुरझाते हुए वृक्षों पर वर्षा का। उसे आज विदित हुआ कि तृप्ति केवल कुछ स्वादिष्ट व्यंजनों पर ही निर्भर नहीं है और न निद्रा को सुनहरे तकियों की ही आवश्यकता है।

2) आकृति पूर्ण कीजिए ।

i) **संन्यासी के लिए इन दोनों में कोई अंतर नहीं था –** **(1)**

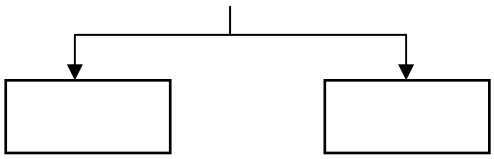

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(6)**

मौसम से क्या लेना मुझको ये तो आएगा–जाएगा
दाता होगा तो दे देगा खाता होगा तो खाएगा।
कोमल भँवरों के सुर सरगम पतझारों का रोना–धोना
मुझपर क्या अंतर लाएगा पिचकारी का जादू–टोना
ओ नीलाम लगाने वालो पल–पल दाम बढ़ाने वालो
मैंने जो कर लिया स्वयं से वो अनुबंध नहीं बेचूँगा।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

1) कारन लिखिए। **(1)**

i) फूल को मौसम से कुछ लेना–देना नहीं है –

ii) पिचकारी का जादू–टोना फूल पर कोई अंतर नहीं लाएगा–

2) आकृति पूर्ण कीजिए। **(1)**

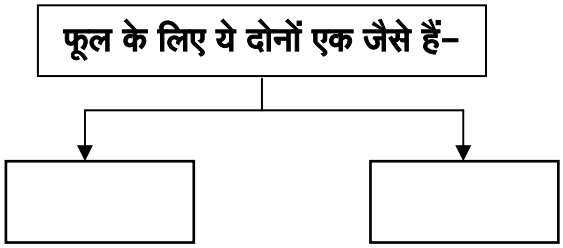

3) पद्यांश में प्रयुक्त शब्द–युग्म ढूँढ़कर लिखिए । **(2)**

i) ☐ ii) ☐ iii) ☐ iv) ☐

4) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियो का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए । **(2)**

विभाग – 3 – पूरक पठन (8 अंक)

प्र. 3 अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (4)

सिरचन जाति का कारीगर हैं। मैने घंटो बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक–एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता। फिर कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त।.....काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता– "फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम। सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं।"

बिना मजदूरी के पेट भर भात पर काम करने वाला कारीगर। दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता।

सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं। तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ, दुम हिलाता हुआ हाजिर हो जाएगा। खाने–पीने में चिकनाई की कमी हुई कि काम की सारी चिकनाई खत्म। काम अधूरा रखकर उठ खड़ा होगा– "आज तो अब अधकपाली दर्द से माथा टनटना रहा है। थोड़ा–सा रह गया है, किसी दिन आकर पूरा कर दूँगा।" 'किसी दिन' माने कभी नहीं।

मोथी घास और पटरे की रंगीन शीतलपाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी–चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के बड़े–बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी–टोपी तथा इसी तरह के बहुत–से काम हैं जिन्हें सिरचन के सिवा गाँव में और कोई नहीं जानता। वह दूसरी बात है कि अब गाँव में ऐसे कामों को बेकाम का काम समझते हैं लोग। बेकाम का काम जिसकी मजदूरी में अनाज या पैसे देने की कोई जरूरत नहीं। पेट भर खिला दो, काम पूरा होनें पर एकाध पुराना–धुराना कपड़ा देकर विदा करो। वह कुछ भी नहीं बोलेगा।...

1) संजाल पूर्ण कीजिए । (2)

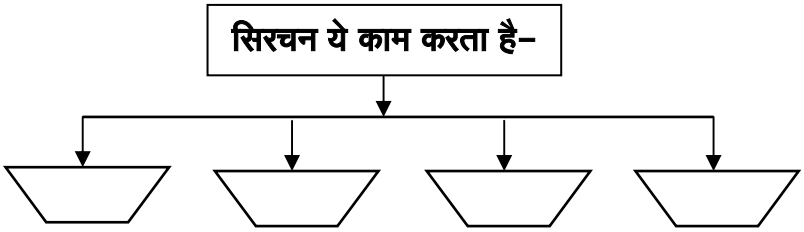

2) कारीगर सबसे बड़ा कलाकार होता है। इस बारे में अपने विचार 25-30 शब्दों में लिखिए । (2)

प्र.३ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (4)

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिन मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव–से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरो के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल–पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते।
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के है...
बातो का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हाँ चूप रहिए।

1) तालिका पूर्ण कीजिए ।

कौन व्यक्ति		विशेषताएँ/कार्य
1)	_____	इस मिट्टी में खेला था।
2)	_____	लगन का सच्चा।
3)	_____	शेर के जबडे खुलनेवाला
4)	_____	अपने पराक्रम में सबसे तेज

2) भारत देश के लड़के–लड़कियों के बारे में आपकी क्या राय हैं? 25-30 शब्दों में लिखिए । (2)

विभाग – 4 – भाषा अध्ययन/व्याकरण (14 अंक)

प्र. 4 सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) अधोरेखांकित शब्द–भेद पहचानकर लिखिए । (सिर्फ एक) **(1)**

बूढ़ी गाय है, दूध नहीं देती।

2) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए । (सिर्फ एक) **(1)**

i) के पीछे ii) कभी–कभी

3) कृति पूर्ण कीजिए । (कोई एक) **(1)**

	शब्द	संधि विच्छेद	संधिभेद
i)	**विद्यालय**	_____	_____
ii)	_____	**दु: + घटना**	_____

4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक सहायक क्रिया को पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। **(1)**

i) गरम पानी से हाथ जल गया ।

ii) मैं बहुत निराश होकर चल दिया ।

5) किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए । **(1)**

i) देना ii) पीना

6) किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । **(1)**

i) गुजर बसर करना ii) काँव उठना

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए । **(1)**

(ताँता लग जाना, काम चल जाना)

सावन के महीने में मंदिरों में दर्शनार्थियों की कतार लग जाती है ।

7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त में कोई एक कारक पहचानकर भेद लिखिए । (1)

i) प्रवेशद्वारपर द्वारपाल खड़ा था ।

ii) मनु रेल से ससुराल चली गई ।

8) निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिरसे लिखिए। (1)

माँ ने कहा पता नहीं वे गहा गए।

9) निम्नलिखित वाक्य में सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए । (सिर्फ २) (2)

i) मैंने तौलिया उसकी आँखों पर रख दिया। (पूर्ण वर्तमानकाल)

ii) उनके आशीर्वाद आज भी हमें मिलते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

iii) आप इतनी देर से नापतौल करते हैं । (सामान्य भविष्यकाल)

10) i) **निम्नलिखित वाक्य रचना के आधारपर भेद पहचानकर लिखिए । (1)**

नींद उसकी आँखो से दूर थी।

ii) **निम्नलिखित किसी एक वाक्य का अर्थ के आधारपर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए । (1)**

i) वाह ! बहुत सुंदर फूल है । (विस्मयार्थक वाक्य)

ii) तुम अपना खयाल रखो । (प्रश्नार्थक वाक्य)

11) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिरसे लिखिए । (2)

i) मैने बहुत पढाई की।

ii) इस बार नया धोति दूँगी।

विभाग – 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) (26 अंक)

प्र. 5 अ) सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए । (5)

1) पत्रलेखन – निम्नलिखित जानकारी के आधारपर पत्रलेखन कीजिए ।

मोहन/मनिषा जोशी, १०, सुमन भवन, डेक्कन जिमखाना, पुणे से १५, संतोषनगर, सीता सदन, सरदार पटेल रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई में अपने मित्र/सहेली को अपने दादाजी के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जन्मदिन समारोह में निमंत्रण देते हुए पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

तन्मय/तनुजा सावे, मुकुंद निवास, तिलक नगर, लातूर से अपने इलाके की बँक ऑफ बडौदा, राम नगर, वसंत रोड, लातूर, मॅनेजर को लिपिक की नौकरी के लिए आवेदन पत्र लिखता/लिखती है ।

2) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति **(4)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक–एक वाक्य में हों ।

आकाश में ग्रहों का पता लगाना जरा भी कठिन कार्य नहीं है। ये सभी सूर्य के भ्रमणपथ के आसपास ही रहते हैं। सूर्य आकाश में जिस मार्ग से खिसकता दिखाई देता है, उसे 'रविमार्ग' कहते हैं। इस रविमार्ग के सत्ताईस समान भाग नक्षत्र और बारह समान भाग राशियाँ हैं। ये नक्षत्र या राशियाँ वर्तुलाकार के भाग हैं और इसीलिए इन्हें 'विभागात्मक नक्षत्र' अथवा 'राशियाँ' कहा जाता है। इनके नाम भी इन विभागों के समीप आए हुए नक्षत्रों और राशियों के अनुसार हैं। अधिक स्पष्टता के लिए इन दूसरे प्रकार के नक्षत्रों अथवा राशियों को तारात्मक नक्षत्र या राशियाँ कहा जाता है। सूर्य, चंद्रमा और ग्रह नक्षत्रों अथवा राशियों में से होकर गुजरते रहते हैं। अमुक समय में आकाश में ये सभी कहाँ दिखाई देंगे, इनका दैनंदिन ब्योरा अपने देशी पंचांगों में दिया जाता है। जिनका आकाश के तारों से परिचय है, ऐसे लोग स्थिर ग्रहों को झट पहचान लेते हैं।

आ) 1) वृत्तान्त लेखन । **(5)**

स्वराज्य विद्यालय, संभाजी नगर में मनाए गए 'स्वच्छता अभियान' का वृत्तान्त 60 से 80 शब्दों में तैयार कीजिए। (वृत्तान्त में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन

निम्नलिखित मुद्दों के आधारपर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए।

एक लालची आदमी --- कड़ी तपस्या करना --- देवता का प्रसन्न होना --- वरदान माँगने के लिए कहना --- देवता से जमीन माँगना --- दौड़कर जितनी जमीन घेरोगे तुम्हारी --- आदमी का दौड़ते रहना --- थक कर गिरना --- मृत्यु --- सीख।

2) विज्ञापन – लेखन । (5)

निम्नलिखित जानकारी के आधारपर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।

कराटे प्रशिक्षण --- आत्मसुरक्षा --- सभी बेल्टों का प्रशिक्षण --- तन में लचीलापन --- शरीर में चुस्ती --- फुर्ती --- प्रशिक्षक --- स्थान --- शुल्क --- समय --- सम्पर्क।

इ) निबंध लेखन । (7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषयपर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए ।

1) यदि किताबें न होती .....

2) जीवन में खेलों का महत्त्व.....

3) प्रिय पालतू पशु.....

*****